

युवाओं को हुनरमंद बनाना हमारी पहली प्राथमिकता:
मंत्री मो. जमा खान

विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं: माननीय कुलपति

एकेयू: एसजेएमसी में मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना अंतर्गत अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं के लिए फोटोग्राफी और फिल्म मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का मो० जमा खान, मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार ने किया उद्घाटन



फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में अब्बल आने वाले प्रशिक्षुओं को मिलेगा तीस हजार रुपये तक का पुरस्कार

प्रशिक्षुओं के लिए प्रशिक्षण अवधि में रहने के लिए होगी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की तरफ से छात्रावास की व्यवस्था

पटना . मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन एवं बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के बीच समझौता ज्ञापन के तहत बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्तीय निगम के द्वारा मुख्यमंत्री श्रम शक्ति योजना के अंतर्गत संचालित निःशुल्क फोटोग्राफी एवं फिल्म मेकिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के माननीय मंत्री मो. जमा खान ने आज एसजेएमसी सभागार में किया।



इस मौके पर अपने संबोधन में माननीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए प्रयासरत रहते हैं और इसी के तहत ये प्रशिक्षण कार्यक्रम हमने

शुरू किया है। अल्पसंख्यक वर्ग के युवाओं को बदलते परिवेश के साथ खुद को नए हुनर से जुड़ने का निःशुल्क मौका दिया जा रहा है और इससे उनके अंदर समावेशी विकास हो सके यह हमारी पहली प्राथमिकता है। ऐसे कार्यक्रमों और प्रशिक्षण से हम रोजगार से जुड़ने का सीधा मौका युवाओं को दे रहे हैं और इसका अधिकाधिक लाभ आप यहां के प्रशिक्षकों से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना के तहत प्रदेश के नौजवानों को कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए प्रोत्साहित करने की मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना का लाभ बिहार के युवाओं को लगातार मिल रहा है। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा शुरुआत किए गए दो पाठ्यक्रमों फोटोग्राफी और फिल्म मेकिंग के जरिए प्रदेश का युवा हुनरमंद होगा। इससे उसे समाज में अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी। बिहार सरकार का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहा है। प्रदेश के युवाओं के लिए किसी भी समस्या के समाधान के लिए हम आपके साथ हैं। यह बातें कहीं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार के माननीय मंत्री मो० जमा खान ने। माननीय मंत्री ने इस अवसर पर दोनों पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सबसे प्रतिभावान प्रशिक्षु को तीस हजार रुपये मूल्य का कैमरा पुरस्कार स्वरूप देने की घोषणा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस दौरान सभी अतिथियों को पौध और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित

किया गया। इस मौके पर अतिथियों द्वारा मुख्यमंत्री श्रमशक्ति योजना पर केंद्रित आर्यभट्ट टाइम्स के द्वितीय संस्करण का अनावरण भी किया गया।



कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो० डॉ० शरद कुमार यादव ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में विश्वविद्यालय सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने आशा जताई कि संस्थान को विश्व में अग्रणी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने शिक्षा को सीधे रोजगारपरक बनाने के लिए ये प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है और इसमें अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का जो सहयोग मिला वो हमें ऐसे और प्रशिक्षण कार्यक्रम को संचालित करने के लिए बल प्रदान करेगा।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो० सोहैल ने प्रशिक्षुओं को



शुभकामना देते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान हर तरीके से आपके बेहतरी का प्रयास किया जाएगा। सभी जितना ज्यादा से ज्यादा सीखने पर ध्यान केंद्रित करेंगे प्रशिक्षण उतना ही सफल होगा। इस मौके पर सचिव ने

प्रशिक्षण की अवधि के दौरान प्रशिक्षुओं के रहने की समस्या के समाधान की भी घोषणा की। सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने आशा व्यक्त

की कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु बिहार और भारत के विकास में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्तीय निगम के प्रबंध निदेशक दीवान जाफर हुसैन खाँ ने कहा कि यह विभाग की खुशकिस्मती है कि वह आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय जैसे बिहार के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर काम कर रहा है। हमारा एकमात्र लक्ष्य अल्पसंख्यक समुदाय को प्रशिक्षित करना और उन्हें मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ना है जिसमें उन्हें ऐसे हुनर के मदद से बौद्धिक विकास के साथ आर्थिक लाभ भी मिल सके। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव ई० रामजी सिंह ने सभी प्रशिक्षकों को

बधाई देते हुए इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता के बारे में बताया। इससे पूर्व स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की प्रभारी विभागाध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रमुख डॉ० मनीषा प्रकाश ने



सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज तीन साल पहले शुरू किया गया प्रयास सफल हो रहा है इसलिए यह विभाग के लिए बहुत ही खास मौका है। उन्होंने बताया कि फोटोग्राफी का जहां तीन महीने प्रशिक्षण संचालित होगा तो वहीं फिल्म मेकिंग का पाठ्यक्रम पांच महीने चलेगा जिसमें थियोरी और प्रैक्टिकल कक्षाओं का संचालन प्रशिक्षित प्राध्यापकों के देख-रेख में सम्पन्न होगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण लेने वाले सभी प्रशिक्षुओं के रोजगार के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के डॉ. संदीप कुमार दुबे ने किया। इस मौके पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक

डॉ० अमीर आफाक अहमद फैजी, आइएएस अहमद महमूद, सहायक निदेशक, नीलिमा साहू, निरंजन कुमार, भौगोलिक अध्ययन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ मनीष परासर, स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन के डॉ. स्नेहाशीष वर्धन, डॉ संदीप कुमार, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, प्रशिक्षुओं सहित अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, व विश्वविद्यालय के कर्मचारी मौजूद रहें।